MATS

एम.ए. (अनुवाद अध्ययन)

(एम.ए.टी.एस)

सत्रीय कार्य (प्रथम वर्ष)

2018

जनवरी 2018 और जुलाई 2018 सत्रों में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए

अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

एम.ए (अनुवाद अध्ययन) (MATS)

एम.टी.टी. 010–017

सत्रीय कार्य 2018

(जनवरी 2018 और जुलाई 2018 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

कार्यक्रम कोड : एम.ए.टी.एस.

प्रिय विद्यार्थियो,

जैसा कि एम.ए. (अनुवाद अध्ययन) में कार्यक्रम की 'कार्यक्रम दर्शिका' में आपको बताया गया है, एम.ए. (अनुवाद अध्ययन) कार्यक्रम में अध्ययन के साथ–साथ आपको कुछ सत्रीय कार्य भी करने हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक–एक सत्रीय कार्य करना है। इस अध्ययन कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में आपको कुल 8 पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य करने हैं। ये सत्रीय कार्य आपकी आंतरिक परीक्षा है तथा इनमें न्यूनतम निर्धारित अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। अतः इन्हें ध्यानपूर्वक और पूरे परिश्रम के साथ हल करें। प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों का विभाजन इस प्रकार है :

कार्यक्रम	**अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि**	
	जनवरी 2018 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए	**जुलाई 2018 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए**
एम.टी.टी. 010 अनुवाद सिद्धांत	30.9.2018	31.3.2019
एम.टी.टी. 011 अनुवाद : इतिहास एवं परंपरा	30.9.2018	31.3.2019
एम.टी.टी. 012 अनुवाद और भाषाविज्ञान	30.9.2018	31.3.2019
एम.टी.टी. 013 अनुवाद के क्षेत्र	30.9.2018	31.3.2019
एम.टी.टी. 014 अनुवाद एवं भारतीय भाषाएँ	30.9.2018	31.3.2019
एम.टी.टी. 015 अनुवाद और साहित्य	30.9.2018	31.3.2019
एम.टी.टी. 016 अनुवाद और जनसंचार	30.9.2018	31.3.2019
एम.टी.टी. 017 कोशविज्ञान, पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद	30.9.2018	31.3.2019

नोट : अंतिम तिथि के उपरांत सत्रीय कार्य स्वीकार नहीं किए जाएंगे और न ही सत्रांत परीक्षाओं के लिए आवेदन की अनुमति होगी।

उद्देश्य : एम.ए. (अनुवाद अध्ययन) कार्यक्रम के अंतर्गत अनुवाद सिद्धांत, परंपरा, भाषाविज्ञान, अनुवाद के क्षेत्र, मीडिया एवं साहित्य, भारतीय भाषाएँ, अंतर्सांस्कृतिक संप्रेषण तथा कोशविज्ञान एवं पारिभाषिक शब्दावली

और अनुवाद के संबंध पर विचार करते हुए उसके प्रक्रियापरक पहलुओं पर चर्चा की गई है। सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य–सामग्री को कितना समझा है और आप उसे कहाँ तक व्यवहार में ला सकते हैं। यानी आपको इस योग्य बनाना है कि अध्ययन के दौरान जो जानकारी आपको प्राप्त हुई है उसे अपने भाब्दों में आप विधिवत प्रस्तुत कर सकें और अनुवाद को एक अध्ययन विधा के रूप में भली प्रकार से समझ सकें।

सत्रीय कार्य करते समय ध्यान रखने योग्य कुछ महत्वपूर्ण बातें

- उत्तर के लिए फुलस्केप कागज का ही इस्तेमाल करें।
- प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए अलग उत्तर–पुस्तिका बनाएँ। इस तरह आपके आठ सत्रीय कार्यों के लिए आठ उत्तर–पुस्तिकाएँ होंगी; और
- अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के दाहिने कोने के सबसे ऊपर नीचे दिए प्रारूप के अनुसार अपनी नामांकन संख्या, पूरा पता लिखें तथा तिथि सहित हस्ताक्षर करें। अपने नामांकन संख्या की पुष्टि अपने परिचय–पत्र तथा पाठ्य–सामग्री पर दिए गए पते से भी कर लें।
- अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के बाएँ कोने पर कार्यक्रम का शीर्षक, पाठ्यक्रम का कोड, उसका शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड तथा अध्ययन केंद्र का नाम लिखें।

आपका सत्रीय कार्य इस प्रकार आरंभ होना चाहिए :

कार्यक्रम का शीर्षक : ..... नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

.....

.....

दूरभाष / मोबाइल : .....

पाठ्यक्रम कोड : .....

पाठ्यक्रम का शीर्षक : .....

सत्रीय कार्य कोड : ..... हस्ताक्षर : .....

अध्ययन केंद्र का नाम : ..... तिथि : .....

- पाठ्यक्रम कोड तथा सत्रीय कार्य के कोड सत्रीय कार्य पर मुद्रित होते हैं और वहाँ से देखकर लिखे जा सकते हैं। प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

- अपने उत्तर केवल फुलस्केप कागज पर लिखें और उन्हें अच्छी तरह नत्थी कर दें। बहुत पतले कागज पर न लिखें। कागज के बायीं ओर पर्याप्त हाशिया छोड़ते हुए एक तथा दूसरे उत्तर के बीच कम से कम 4 पंक्तियों का स्थान छोड़ें।

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में आपसे तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। लंबे निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में, और लघु निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों तथा टिप्पणीपरक प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में देने हैं।

- प्रत्येक सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और उसमें यदि कोई विशेष निर्देश दिए गए हों तो उनका पालन करें। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं उन्हें भी ठीक से पढ़कर संदर्भों से मिला लें। प्रश्न के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी का संकलन कर उसे व्यवस्थित करके अपने उत्तर की रूपरेखा बनाएँ। तत्पश्चात् संगत जानकारी पर आधारित अपने उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें।
- सैद्धांतिक प्रश्नों को पहले भली–भाँति समझ लें तत्पश्चात् विभिन्न संकल्पनाओं का भी अध्ययन करें और उत्तर का खाका तैयार करें। इन प्रश्नों का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष के संबंध में विशेष ध्यान दें। प्रस्तावना संक्षिप्त एवं यह स्पष्ट करने वाली होनी चाहिए कि इस प्रश्न से आप क्या समझते हैं और आप क्या लिखने जा रहे हैं। निष्कर्ष में उत्तर का सार एवं मुख्य बिंदुओं पर जोर होना चाहिए। आवश्यक हो तो विश्वविद्यालय द्वारा दी गई अध्ययन सामग्री के अलावा विषय से संबंधित अन्य पुस्तकों, संदर्भों आदि का भी अध्ययन करें। आपके उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों से संबद्ध हों तथा उसमें निहित सभी मुख्य बातें भाामिल हों।

सत्रीय कार्य समापन से पूर्व इन बिंदुओं पर भी ध्यान दीजिए :

(क) आपके उत्तर आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति उत्तर के पूर्णतया अनुकूल हों।

(ख) आपके उत्तर अनावश्यक रूप से विस्तारित या संक्षिप्त न हों।

(ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

(घ) आपके उत्तर हस्तलिखित होने चाहिए। आपके उत्तर विश्वविद्यालय द्वारा आपके पास भेजी गई इकाइयों की नकल न हों। यदि आप ऐसा करते हैं तो कम अंक मिलेंगे।

(ङ) अन्य विद्यार्थियों के उत्तरों से नकल न करें। यदि यह पाया जाता है कि आपने नकल की है तो आपके सत्रीय कार्यों को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(च) प्रत्येक सत्रीय कार्य को अलग–अलग लिखें। प्रत्येक उत्तर के साथ उसकी प्रश्न संख्या भी अवश्य लिखें।

(छ) **सत्रीय कार्य को पूरा करके इसे अपने अध्ययन केंद्र में जमा कराएँ।** सत्रीय कार्य की उत्तर–पुस्तिका को किसी भी स्थिति में **विद्यापीठ या मुख्यालय के विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग को मूल्यांकन के लिए न भेजें।**

(ज) सत्रीय कार्य को जमा कराते समय निर्धारित प्रेषण एवं पावती कार्ड पर अध्ययन केंद्र से प्राप्ति दर्ज करा लें ताकि उसे आप परीक्षा फॉर्म के साथ संलग्न कर सकें अथवा अपने रिकॉर्ड में रख सकें।

(झ) यदि आपने क्षेत्र/अध्ययन केंद्र को बदलने के संबंध में निवेदन किया है तो भी आप अपने सत्रीय कार्यों को अपने पहले के अध्ययन केंद्र में ही तब तक भेजते रहें जब तक कि विश्वविद्यालय की ओर से आपको क्षेत्रीय केंद्र बदलने और नए अध्ययन केंद्र की सूचना नहीं भेज दी जाती।

एम.टी.टी.–010 : अनुवाद सिद्धांत
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एम.ए.टी.एस.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–010
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2018

अंक : 50

नोट : भाग–I और II में शामिल सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग– I

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. अनुवाद की प्रकृति पर विचार करते हुए विज्ञान के रूप में अनुवाद की चर्चा कीजिए। 10

2. वैश्विक परिप्रेक्ष्य में अनुवाद के महत्व पर प्रकाश डालिए। 10

भाग– II

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. कैटफोर्ड के अनुवाद संबंधी दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिए। 6

4. सांस्कृतिक रूपान्तरण के रूप में अनुवाद की चर्चा कीजिए। 6

5. जार्ज स्टेनर के अनुवाद चिंतन पर चर्चा कीजिए। 6

6. एन्द्रेलेफेवेयर के अनुवाद चिंतन पर प्रकाश डालिए। 6

7. **निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :** 2×3= 6

   (क) अनुवाद की समस्याएँ

   (ख) बौद्ध अनुवाद चिंतन

एम.टी.टी.–011 : अनुवाद : इतिहास एवं परंपरा
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एम.ए.टी.एस.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–011
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2018

अंक : 50

नोट : भाग–I और II में शामिल सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग–I

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. भारतीय भाषाओं में पारस्परिक अनुवाद गतिविधियों का एक लेखा–जोखा प्रस्तुत कीजिए। 10

2. मध्यकालीन भारत में अनुवाद की प्रवृत्तियों, रूझानों एवं आयामों की चर्चा कीजिए। 10

भाग–II

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. उपनिवेशकालीन भारतीय अनुवाद परंपरा की विश्लेषणात्मक समीक्षा कीजिए। 6

4. बौद्ध धर्म प्रसार में बौद्ध अनुवाद परंपरा के योगदान की चर्चा कीजिए। 6

5. अरबी भाषा में अनूदित भारतीय कृतियों के अनुवादों पर प्रकाश डालिए। 6

6. पश्चिमी (यूरोपीयाई) अनुवाद परंपरा की विशद चर्चा कीजिए। 6

7. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2×3=6

   (क) पंचतंत्र के वैश्विक अनुवाद

   (ख) अनुवाद में अदृश्यता

एम.टी.टी.–012 : अनुवाद और भाषाविज्ञान
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एम.ए.टी.एस.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–012
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2018

अंक : 50

नोट : भाग–I और II में सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग–I

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. भाषा के घटक तत्वों का परिचय देते हुए भाषा परिवर्तन के कारणों का उल्लेख कीजिए। 10

2. अर्थ विज्ञान क्या है? अर्थ विज्ञान की प्रविधि और क्षेत्र की विस्तृत चर्चा कीजिए। 10

भाग–II

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. भाषा की व्याकरिणक व्यवस्था पर प्रकाश डालिए। 6

4. सस्यूर एवं पीयर्स की संकेत अवधारणाओं का वर्णन कीजिए। 6

5. भाषा विज्ञान की संकल्पना स्पष्ट कीजिए तथा उसके विभिन्न अंगों का सोदाहरण परिचय दीजिए। 6

6. सिद्ध कीजिए कि अनुवाद भाषा विज्ञान की अनुप्रयुक्त विधा है। 6

7. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2×3=6

   (क) लॉग एवं पैरोल

   (ख) कोड मिश्रण (Code Mixing)

एम.टी.टी.–013 : अनुवाद के क्षेत्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एम.ए.टी.एस.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी–013
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2018

अंक : 50

नोट : भाग–I और II में शामिल सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग–I

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1 राजभाषा हिंदी संबंधी सांविधानिक–वैधानिक प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए प्रशासनिक कार्यों में अनुवाद की आवश्यकता का वर्णन कीजिए 10

2. पर्यटन में अनुवाद के महत्व और इसके साहित्य के अनुवाद के अन्य आयामों का विवेचन कीजिए 10

भाग–II

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. 'मानविकी' का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके साहित्य के अनुवाद की पूर्वापेक्षाओं की सोदाहरण चर्चा कीजिए। 5
4. वाणिज्यिक भाषा के वैशिष्ट्य को रेखांकित करते हुए इसके साहित्य के अनुवाद की आवश्यकता, महत्व एवं चुनौतियों की अपने परिवेश से उदाहरण लेते हुए व्याख्या कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 5

   क) संसदीय प्रश्नों का अनुवाद
   ख) सृजनात्मक और विधि साहित्य में अंतर

6. निम्नलिखित प्रशासनिक शब्दों के हिंदी/अंग्रेजी पर्याय लिखिए : 3

   (a) financial provision (b) tax deduction at source (c) walk in interview
   (d) निदेशक मंडल (e) विधायी कार्य (f) विशेष अभियान

7. विधि संबंधी निम्नलिखित शब्दावली के हिंदी/अंग्रेजी पर्याय लिखिए : 3

   (a) discretionary powers (b) habitual offender
   (c) plenary legislation (d) शमनीय अपराध (e) मुख्तारनामा (f) अस्थायी उपबंध

8. निम्नलिखित पदनामों के हिंदी/अंग्रेजी पर्याय लिखिए : 3

(a) Additional Station Director (b) Chancellor (c) President's Estate Officer
(d) पदेन सचिव (e) सह–परीक्षक (f) पर्यटन परिदर्शक

9. निम्नलिखित विभागीय नामों के हिंदी/अंग्रेजी पर्याय लिखिए : 3

(a) Department of Women & Child Development (b) National Airport Authority
(c) Steel Authority of India Limited (d) खादी–ग्रामोद्योग बोर्ड (e) सहकारी ऋण समिति
(f) प्रधानमंत्री कार्यालय

10. निम्नलिखित प्रशासनिक अभिव्यक्तियों/वाक्यांशों के हिंदी अनुवाद लिखिए : 3

(a) ex-post facto sanction (b) office copy and fair copy for signature
(c) the papers may be shown to Deputy Director for information and guidance
(d) जवाब तलब किया जाए (e) उनका अनुरोध नियमानुसार है
(f) सार्वजनिक जानकारी के लिए अधिसूचित

एम.टी.टी.–014 : अनुवाद एवं भारतीय भाषाएँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एम.ए.टी.एस.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–014
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2018

अंक : 50

नोट : भाग–I और II में शामिल सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग–I

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. भारतीय भाषाओं और हिंदी के अंतर्संबंधों पर एक विस्तृत लेख लिखिए। 10

2. द्रविण भाषा परिवार का परिचय देते हुए इसकी भाषिक विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 10

भाग–II

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. अनुवाद की विविध पद्धतियों की आधुनिक भारतीय भाषाओं के अनुवाद में हुए प्रयोग की सोदाहरण चर्चा कीजिए। 6

4. दक्षिण भारत में मिशनरियों की स्थापना एवं अनुवाद में उनके योगदान की व्याख्या कीजिए। 6

5. 'आधुनिक भारतीय भाषाओं के विकास में अनुवाद की महत्वपूर्ण भूमिका है।' कथन की आलोचना कीजिए। 6

6. चीनी–तिब्बती भाषा परिवार का वर्गीकरण बतलाते हुए इसके अंतर्गत आने वाली भारतीय भाषाओं की चर्चा कीजिए। 6

7. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2×3=6

   (क) भारतीय कालजयी साहित्य के अनुवाद की आवश्यकता

   (ख) तिब्बती–बर्मी भाषाओं की संरचनागत विशेषताएँ

एम.टी.टी.–015 : अनुवाद और साहित्य
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एम.ए.टी.एस.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–015
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2018

अंक : 50

नोट : भाग–I और II में शामिल सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग– I

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. कविता के अनुवाद की समस्याओं पर विचार कीजिए। 10

2. भारतीय कालजयी साहित्य के वैश्विक अनुवाद की चर्चा कीजिए। 10

भाग– II

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. कथा साहित्य के अनुवाद की समस्याओं पर विचार कीजिए। 6

4. लातिन अमेरिकी साहित्य के वैश्विक अनुवाद की चर्चा कीजिए। 6

5. उपनिवेशवाद और तुलनात्मक साहित्य पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 6

6. नाटक के अनुवाद की समस्याओं पर विचार कीजिए। 6

7. **निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :** 2×3= 6

   (क) तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद

   (ख) आलोचनात्मक लेखन के अनुवाद की रणनीतियाँ

एम.टी.टी.–016 : अनुवाद और जनसंचार
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एम.ए.टी.एस.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–016
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2018

अंक : 50

नोट : भाग–I और II में शामिल सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग–I

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. भारत में प्रसारण का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य समझाइए। 10

2. सिनेमा और अनुवाद के संबंध पर लेख लिखिए। 10

भाग–II

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. अनुवाद के संबंध में रूपांतरण तथा पटकथा के संबंध की चर्चा कीजिए। 6

4. मशीनी अनुवाद तकनीक पर प्रकाश डालिए। 6

5. विज्ञापन अनुवाद की युक्तियों पर टिप्पणी लिखिए। 6

6. वैश्विक मीडिया परिदृश्य में अनुवाद की आवश्यकता पर लेख लिखिए। 6

7. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2×3=6

   (क) नई मीडिया बनाम संचार

   (ख) भारत में टेलीविजन कार्यक्रम का रूपांतरण

एम.टी.टी.–017 : कोशविज्ञान, पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एम.ए.टी.एस.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी–017
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2018
अंक : 50

नोट : भाग–I और II में शामिल सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग–I

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. अनुवाद में उपयोगिता के संदर्भ में कोशों के विविध प्रकार की सोदाहरण चर्चा कीजिए। 10

2. पारिभाषिक शब्दावली संबंधी विभिन्न विचारधाराओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 10

भाग–II

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. कोशों के वर्गीकरण के विभिन्न आधारों पर प्रकाश डालिए। 5

4. अनुवाद में पारिभाषिक शब्दावली की जटिलता और उसके समाधानों का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 5

   क) कंप्यूटर कोश और मुद्रित कोश में अंतर
   ख) शब्द संपदा और अनुवाद

6. निम्नलिखित शब्दों को अंग्रेजी वर्णक्रम/हिंदी अकारादिक्रम के अनुसार व्यवस्थित करके लिखिए : 5

   (a) libertinage (b) libratory (c) licentious (d) libretto (e) lickspittle (f) lieutenant
   (g) libration (h) lickerish (i) liability (j) liaison (k) liberal (l) libken
   (m) licentiate (n) libation (o) libidinous

   (a) जिंदगी (b) जूठा (c) जोंक (d) ज्ञान (e) जेठ (f) ज्येष्ठ (g) जुलूस
   (h) जौहरी (i) जंगल (j) जादूगर (k) जँभाई (l) जिज्ञासु (m) जैसे (n) जनाब (o) जीवन

7. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों के हिंदी पर्याय लिखिए : 5

(a) job analysis approach (b) social reforms movement (c) color blindness
(d) natural language processing (e) casting vote (f) non-recurring expenditure
(g) debt crises (h) life insurance premium (i) diplomatic correspondent
(j) legislative drafting

8. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों के अंग्रेजी पर्याय लिखिए : 5

(a) सामान्य भाषायी प्रवीणता (b) विश्व व्यापी व्यापार मंदी (c) मानसूनी परिवर्तन (d) गलनांक
(e) अनुवर्ती कार्रवाई (f) सदन पटल (g) पारिवारिक आय (h) अल्प बचत अभियान
(i) कोरा समाचार (j) अकल्पित परिस्थितियाँ